

भारत का राजपत्र **The Gazette of India**

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 245-ए]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 19, 1969/आषाढ़ 28, 1891

[No. 245-A]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 19, 1969/ASADHA 28, 1891

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th July 1969

S.O. 2935-A.—Whereas the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 52A of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938), appointed an Administrator to manage the affairs of the Jupiter General Insurance Company Limited, Bombay with effect from the 11th July, 1951;

And whereas on report made by the Controller of Insurance under section 52D of the said Act, it appears to the Central Government that the purpose of the said order appointing the Administrator has been fulfilled;

And, whereas in accordance with Direction No. RD: 3(167)X/68, dated the 21st November 1968, from the Regional Director, Company Law Board, Ministry of Industrial Development and Internal Trade and Company Affairs a new Board of Directors of the said company has been elected on the 2nd January, 1969;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the said section 52D, the Central Government hereby cancels the said order appointing the Administrator and directs that the management of the said Jupiter General Insurance Company Limited shall vest in the Board of Directors of the company.

[No. F. 51(20)-Ins.I/58-I.]

A. RAJAGOPALAN,

Officer on Special Duty & *Ex-Officio* Jt. Secy.

(96I-A)

वित्त मंत्रालय
(राजस्व और बीमा विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जलाई, 1969

एस० ओ० 2935-बी.—यतः केन्द्रीय सरकार ने, बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 52-क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जपिटर जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, मुम्बई के कार्यों का प्रबन्ध करने के लिए 11 जलाई, 1951 से एक प्रशासक की नियुक्ति की थी;

और यतः उक्त अधिनियम की धारा 52-अ के अधीन बीमा नियंत्रक द्वारा दी गई रिपोर्ट से केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि प्रशासक की नियुक्ति करने वाले उक्त आदेश के प्रयोजन की पूर्ति हो गई है;

और यतः कम्पनी विधि बोर्ड, औद्योगिक विकास और आन्तरिक व्यापार तथा कम्पनी कार्य-मंत्रालय के प्रादेशिक निदेशक से प्राप्त निदेश सं० आर० डी० 3(167)एस/68, तारीख 21 नवम्बर, 1968 के अनुसार 2 जनवरी, 1969 को उक्त कम्पनी का एक नया निदेशक बोर्ड निर्वाचित हुआ है;

अतः, अब, उक्त धारा 52-अ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार प्रशासक को नियुक्त करने वाला उक्त आदेश रद्द करती है और यह निदेश देती है कि उक्त जपिटर जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड का प्रबन्ध कम्पनी के निदेशक बोर्ड में निहित हो जाएगा।

[सं० फा० 51(20)-बीमा-1/58 I.]

ए० राजगोपालन,

विशेष कार्याधिकारी एवं पदेन संयुक्त सचिव।